

DPN 6694

Title : दशक्रिया स्फू DAŚAKRIYĀ SAPHŪ

Run. No. 7420

Cat. No. 63

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 31.5 x 13.7

Folios 5

Lines (in a page) 9

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu / one side yellow

Condition : fine ✓ / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमः श्री वज्रसत्वायः ॥ क्षात ज्ञाय विधि ॥ दिवंगत जुव खुनु ॥ न्हापां
P.T.O.

मितयुद्धया लाह्याते रंख काप कु ३ x धोति काप ५ x तय ॥

६३. दशक्रिया

प्रसीन्द्रान्त वज्राचार्य

५० ५०
५० ५०

५० ५०
५० ५०
५० ५०

५० ५०
५० ५०

जाग॥

रडंनमः शोवजसु लायडा। जागजाय विधि। दिविमगशुवखन। कापीमिनयसु या लाहमिब लेख कायक ३४ धोमि
कायक यर गय गयि ला सुवुनि स्य लेख काय लेयुय कायन ययुय कयकः गय लेय कयक माल सुस्थः
काकाखस्य माल सुयक गार्धो निन चिचक लेख या मल जान कयन लेख जान कालिका मि लाया क गयामकः
ककाक ॥ लखंडय के ॥ मि कयक ॥ थुविदिय म ॥ ॥ धनलि सगित्व नूनि स्य दसयि मुथयः निरुयी वः
स्वभूषन निरुयी दिवेगन कुवथा स मधुल वायथ म अलि क्षित्या विधि थं यज्ञा ठा मधुन सिस्यः कसशुषः
नूजापी दसयि मुथय वनः लिहाय यावः कस अलि सिलः मधुल य सीहावः अलि वा स ल सी गयः मधुल यावः
ऊ अलि ग्वय सगयान स्य जाना डा वनः सुसि सना गय जाया सी व मय दाव या य ॥ ॥ धनलि सुसि हा स
थ स वा सी क स वे श दुथ डा डाः कवि अ न न क ७७ क गिन दय का डा वे श या थ स ज ग डा ले दय का ज वू जाः
या य ॥ थ कालि सुवि मि ल क ॥ धनलि वाय ग म मधु य च गयः मि क न यः मधुल थिलः स मा धिः कल स

१

सर्धः मगः नागयः यज्ञाः अग्नि स्थायनः धन वे श सी क क यु ति हाः विधि थं यगिया दिय जाः आह व निः
स्वियः मधुल थिलः ऊग य र्ध विन य जा द क ना म सा हं मि वि स र्जन यू व हा य व लि हा ला वे श य मिन धन का
डा क स वे श का या डाः रुय क स मधुल वा या थ स थ क स वे श य मि मा दि द वा या डाः क स नू म यि मु थः
यः अलि सिल क न जा या न थ य कः थ यि मु थि ला ल सु र्ध य कः क स वे श वा हा स र्ध गयः कल क य ग थ
ग लि क य कू मा म वि वं थ लि थ न क डा व गू र्ध रु य मि वि य न थि य क ॥ क स नू या जान क ॥ व ह नि स या वा
जा क य ॥ थ मि क स नू या वि धि ॥ धन लि मि नू ख नू म र्जा ग र्ध द स यि मु थ य धन का डाः दू य न क डा न वा स वाः
यः ल मि धनः माल सुय कः काय ला स लेख न स्यः अश का या डा सूर्य स म रु द व ना य वि स ग लेख न ग य धनः
का ग य या डु मि स लेख न ग व र्ध ना या य ॥ थ लि स क ल थि य द व थ नी लि डू न हा य का डा क वि हा ड नि वा व
ह नि स मा या व र्ध मि स र्ध मा स वा ल डा नः हा मि क थि स का कि व जिः लि थि क्रि थिः मि वा स ग सी या य ना स

जाग॥

यनयाइइकलः लीखकलः मूकलनयगकलकलकल ३ लीथलदयकोडाकाखनकैरुसिकथिस
धनकैरुयः मूयकासीहादलयः लिलहायाअकसयकमम्यदसकमीकल्ययाककथमिमिनूयनूयाविधि॥
मिधनूयनू जापानकादसमीकल्ययानाअनकादसयिधुयसिसधयविधिथीयिधुयदासकनायुगमायथ
यनकादसविधीयिकममुलथिलकिननः यिधुयकयुयगमूयवामरुगसाअकादसकसविधीः थुयि
मरुगसाः लानयाकसैरुयदः थुनिधूनकाडाः यिसिसनकादसयिधुययक॥ अनकादसयिधुययअययकयाथय
थीथयकमालथुनियकादगयाविधि॥ ॥ मिमनिधूनगुरुसूदजलाविधिथीयायथमिजागलायग
रुसूदविधि॥ ० ॥ ० ॥ ललायायकथयनूः अलयाइइयाविधि॥ यूसियाबखयकामगयकगो
धः यकगर्भः यकमनः यकयलवः यचायविगयाअः अलपगवल ५ खन॥ गरुममुलदनः समधिः कः
लसः सघीः सगः अययवययजाः दवयजाः ममुलथिलकिननविसर्जनः विनयजाः दकनाः विसर्जनः धः

२

नकाअअलयाइइयथगवशयप्रायासमिनेशकन लखनलयः क्रिथरदकिलानमवभरुलिदयदवः
मव० गायमवल० आगमसमवल० नदवनामवदइइकथमिधुयगक॥ ॥ ललायकूजगयासीला
कागवयिधुययविधिथी॥ मूलयिधुलडाखावानखवाथयः खयुलियायिधुसमिक॥ यिधुविसर्जन
कूयकलखयगकमायिधुआसिध्यादिवासनजहापूरुवासमयावकुवासखाइगि॥ कालायि॥ मधिकाज
नपधमीगाविवाधनीलिविधिथीलाकागल यिधुययगगनवक॥ यथमरागगिगकाला० ॥ मूलयुः
जागिगहाअरवमगिरागगविगमनि॥ पागसहाववलिपूजागिगवडुगममानवलिखय॥ अर्थः
रागवकलीखययगयजा॥ गिगधमीगाविः कलीखययसिखवलि॥ गिगगजाजिनः समाममुल॥ र्व
विनियामकवः मगाविया॥ थुविललायाविधि॥ ० ॥ ० ॥ मडोनमओवजसत्यायनमभादसयिधुय
यविधिवानकासमाललय॥ धअगिलेखकायलनयूसीजाकीकल ५ याजाकखयाअः अया ३ याहलुदयः

८३॥

नियताश्रमकर्मध्याययुथमसिनामृद्विनीतिधर्मयुगपिधुस्वधा॥ १ ॥ निद्रया॥ अदयूषकृपिकाः
अमृकनामध्यायिद्विजयवक्रवृद्धवर्गसिधार्थिद्विजययिधुस्वधा॥ २ ॥ गृणीयमासिकासिधार्थिद्विजययि
धुस्वधा॥ स्वध्या॥ ३ ॥ वउथ॥ अगसिधार्थिद्विजययिधुस्वधा॥ ४ ॥ यममरुदयसीसिधार्थिद्विजययि
धुस्वधा॥ स्वध्या॥ ५ ॥ यममरुदयसीसिधार्थिद्विजययिधुस्वधा॥ ६ ॥ सयमनारिसेसिधार्थि
सयमयिधुस्वधा॥ ७ ॥ अमृमज्जुसीसिधार्थिद्विजययिधुस्वधा॥ ८ ॥ नयमयादसीसिधार्थिद्विजययि
धुस्वधा॥ ९ ॥ दसमवामसीसिधार्थिद्विजययिधुस्वधा॥ १० ॥ वाक्याय॥ मित्रं अदगनाका
यमान॥ काकस्वानयनः मित्रं यमान॥ अथवा मित्रं यादृक्कथयसीः काकस्वानयनयिधुयुगपिधुमिग्व
मिग्वलथयमान॥ यथनीलिः कयलासलखनसीः समकसमसीलखवि॥ x यिभु x वाकथययथमसिनामृ
द्विनीतिधर्मयुगपिधुस्वधा॥ ११ ॥ काकयिधुस्वधा॥ अथवा कस्वधस्वानयनयिधुनिमिरुदकहियकवाकउर्ये॥ स्वानयनः

सिद्धजजमकास्वाननेवशकलमूलादिधूयमननायश्रमगहल॥ मधुसचिलक॥ सुगिरेडोंमूनश्महाः
मूनयस्वाहा॥ नमस्माकसिहायशादि॥ सुगमात्रकाधलन्या॥ निलादशयगमृद्विद्वेमाध्वजोगनकयो
मध्याध्वजाजिकावाहक्रीवाकाह्यस्यधनादके॥ दधिवकगिज्ञानसीमायनरुहयादया॥ अनादोसर्वमाश्व
जायगवृद्धविर्यवान्॥ यथनयुगाजलिविय॥ गहवाभलीखकसदासमलगसीअयकायावलखधालानस्व
वाकउयके॥ सगय्यायजा॥ ककामृमहाधावेयकावेगवनेनदि॥ गकामृमृगवृद्धयनमासिह॥ ॥
विभर्जनयागके॥ वेयधयके॥ वाक॥ अकाभधाउगर्वस्वाहा॥ यिधुधयके॥ काकस्वानयनयिधुगह्व
यिधुयययकलखय॥ काकयिधु॥ नासस्वानयिधुधितास॥ यगपिधुयथम॥ लिहावयायायदभन
धूनकाज॥ प्राहिनयीमालकृय॥ अजमानयीमालकृयके॥ यिधुधयाथम॥ दिविवरालकः॥ थगिदसयिधु
थयविद्विहलधुर्॥ ० ॥ ॥ काकयिधुयुधाननकायसूर्यवदुना॥ सिर्गसेग॥ वेयकाकयिधु

६३. दशक्रिया

५३॥

[illegible]

फरशीन्दुरत वज्राचाय